By SATYABHAMA CHANDRA
Department of Psychology
APSM College, Baraura, Begusarai
LNMU, Darbhanga, Bihar

B.A- III (H) Paper- VI^th Date - 17/04/21

Scanned by TapScanner

The classical Era Date - 17/04/21

(b) हैनरी फेओल के योगदान : प्रशासनिक सिद्धांत
→ संगठनात्मक व्यवहार के विकास में हैनरी फेओल के योगदान भी उल्लेखनीय हैं। वे फ्रांस के एक उद्योगपति थे। उन्होंने अपने प्रशासनिक सिद्धांत के अन्तर्गत दो बातों का उल्लेख किया। पहली बात यह कि एक मैनेजर के कौन-कौन से सार्वजनिक कार्य होते हैं और दूसरी बात यह कि अच्छे प्रबंध के क्या सिद्धांत या नियम हैं :-

इस संदर्भ में उन्होंने निम्नलिखित पाँच प्रबंध कार्यों का उल्लेख किया :-

(i) मैनेजर का प्रथम कार्य है कार्य की योजना से सम्बद्ध होना। एक निपुण मैनेजर वह है जो कार्य के स्वरूप को ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाता है कि उस कार्य को किस कार्यविधि द्वारा अधिक-से-अधिक समुचित ढंग से किया जा सकता है।

(ii) मैनेजर का दूसरा कार्य संगठन से सम्बद्ध है। एक निपुण मैनेजर वह है, जो योजना के अनुकूल कार्यविधियों को ~~संगठित~~ संगठित करने में सक्षम होता है।

(iii) मैनेजर का तीसरा कार्य शासन करना है। एक निपुण मैनेजर कर्मचारियों पर पूर्ण एवं स्वस्थ नियंत्रण रखता है। आवश्यकता के अनुकूल उसमें परिवर्तन ला सकता है।

(iv) मैनेजर का एक कार्य समन्वय से सम्बद्ध है। एक निपुण मैनेजर कर्मचारी की कार्यक्षमता को प्रेरणात्मक कारकों के आधार पर समन्वित करता है।

Scanned by TapScanner

(v) मैनेजर का मुख्य कार्य नियंत्रण से सम्बद्ध है। एक निपुण मैनेजर अपने कर्मचारियों पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। वह नियंत्रण की विविध प्रविधियों से अवगत होता है।

फेयोल के अनुसार, जिम्मेदारियों का प्रबंध एक व्यापक समुच्चय है जिसका तात्पर्य व्यापार, सरकार तथा परिवार में होने वाले सभी मानव जिम्मेदारियों में होने वाली सामान्य क्रिया से है, फिर इन्होंने 14 ऐसे नियमों का उल्लेख किया जिनकी शिक्षा विद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में दी जा सकती है, वे नियम निम्नलिखित हैं :-

(i) कार्य विभाजन → इस सिद्धांत या नियम के तहत कर्मचारियों को अधिक से अधिक सक्षम बनाकर विशिष्टीकरण द्वारा उत्पादन को बढ़ाया जा सकता है।

(ii) अधिकारी → मैनेजर को अधिकारी द्वारा यह अधिकार दिया जाता है कि वह कर्मचारी को आदेश देने के योग्य हो। लेकिन अधिकार के साथ-साथ उत्तरदायित्व का होना भी अनिवार्य होता है।

(iii) अनुशासन → प्रबंध का एक आवश्यक नियम अनुशासन है। संगठन के नियमों का सम्मान करना कर्मचारियों का दायित्व होता है। इसके लिए प्रभावी नेतृत्व का होना आवश्यक होता है।

To be Continue.....

Satyabhama
17/04/21

Scanned by TapScanner